

भारत सरकार  
पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 5621 जिसका उत्तर  
शुक्रवार, 4 अप्रैल, 2025/ 14 चैत्र, 1947 (शक) को दिया जाना है

नारायणी रिवर फ्रंट जलमार्ग

†5621. डॉ. आलोक कुमार सुमनः

क्या पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) क्या नारायणी रिवर फ्रंट का विकास लंबे समय से लंबित है, जिससे राष्ट्रीय जलमार्ग संख्या 37 के संबंध में आर्थिक प्रभाव पड़ रहा है;
- (ख) यदि हां, तो तत्संबंधी व्यौरा क्या है और इसके क्या कारण हैं;
- (ग) राष्ट्रीय जलमार्ग संख्या 37 के विकास सहित बिहार के गोपालगंज जिले में नारायणी रिवर फ्रंट के विकास के लिए कुल कितनी धनराशि व्यय की गई है; और
- (घ) नारायणी नदी मार्ग से नौवहन गतिविधियों का व्यौरा क्या है?

उत्तर  
पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री  
(श्री सर्वानंद सोणोवाल)

(क) से (ग): जल शक्ति मंत्रालय के नमामि गंगे कार्यक्रम के अंतर्गत, बिहार के गोपालगंज जिले में 8.25 करोड़ रु. की लागत से नारायणी नदी पर दो घाटों का कार्य जुलाई, 2021 में पूरा करके संबंधित शहरी स्थानीय निकायों (यूएलबी) को सौंप दिया गया था। घाटों का विवरण निम्नानुसार है:-

1. दुमारिया घाट 60 मी. x 30 मी.
2. बृजघाट 60 मी. x 30 मी.

(घ): पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय के अंतर्गत भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण (आईडब्ल्यूएआई), एक स्वायत्त संगठन, ने राष्ट्रीय जलमार्ग- 37 (रा.ज.-37) के किनारे नौचलन गहराई

का आकलन करने तथा फ्लोटिंग जेट्रियां प्रदान करने हेतु हाइड्रोग्राफिक सर्वेक्षण शुरू किया है। वर्तमान में, फिशिंग, स्थानीय माल एवं कृषि उत्पादों की आवाजाही के लिए कंट्री बोट चलाई जा रही है। स्थानीय आवाजाही को सुगम बनाने के लिए रा.ज.-37 पर, बेतिया के पास और इसके दूसरी ओर के तट पर प्लेसमेंट हेतु दो फ्लोटिंग जेट्रियों का निर्माण किया गया है।

\*\*\*\*\*